राजसमंद निर्वाचन क्षैत्र से (निर्वाचन क्षैत्र का नाम) **लोकसभा** (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ –पत्र

10 MAR 2014

:– शपथ पत्र :–

भाग – क

मै सूर्य भवानीसिंह चावडा पिता रामसिंह जी चावडा, आयु 35 वर्ष, जो, चावडा भवन बस स्टेण्ड , नई आबादी रेलमगरा जिला राजसमन्द का निवासी हूँ, और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/ करती हूँ , शपथ पर निम्नलिखित कथन करता/करती हूँ :–

1. मै सूर्य भवानीसिंह चावडा एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रुप में लड रहा हूँ।
2. मेरा नाम वि.स. नाथद्वारा में भाग सं. 193 के कम सं. 303 पर प्रविष्ट है।
3. मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 9460029900 है और मेरा ई–मेल आईडी **sbschawra@gmail.com** है। औरा मेरा सोशल मिडिया एकाउन्ट **sbschawra@gmail.com** है।
4. स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्योरे और आय–कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :–

क्र.सं.	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपय में)
1	सूर्य भवानीसिंह चावडा	**AHAPC2047G**	2012–13	2,67,779/–
2	इन्दिरा राणायत (पत्नि)	**AGTPR5322F**	2012–13	1,96,396/–
3	आश्रित 1	लागू नही	शून्य	शून्य
4	आश्रित 2	लागू नही	शून्य	शून्य
5	आश्रित 3	लागू नही	शून्य	शून्य

5. मै ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध का अभियुक्त नही हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है।

   यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा–

निरन्तर...............

सूर्य भवानी सिंह

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं। लागु नही

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	शून्य
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	शून्य
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शून्य
(घ)	न्यायालय, जिसने (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	शून्य
(ङ)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	शून्य
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/है	शून्य

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है [पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न] :-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शून्य
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	शून्य
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हो) के ब्यौरे	शून्य

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया गया है।

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा।

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है।

(क)	उन मामलों के ब्यौरे अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	शून्य
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	शून्य
(ग)	अधिरोपित दंड	शून्य
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	शून्य

[illegible]

7. मै मेरे , मेरे पति या पत्नि और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्योरे नीचे देता हूँ –

क्र. सं.	विवरण	स्वयं	पत्नि	आश्रित 1	आश्रित 2	आश्रित 3
1	हाथ में नकदी	32,000/–	15,200/–	शून्य	शून्य	शून्य
2	बैंक खाते में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधित जमाँ और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमे बचत खाते भी हैं) ,वित्तीय संस्थाओं , गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	25,000/–	44,750/–	शून्य	शून्य	शून्य
3	कंपनियो/पारस्परिकनिधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत , बीमा पालिसियों मे विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	75,000/–	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
5	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6	मोटरयान/वायुयान (अ) जीप रजिस्ट्रेशन संख्या क्रय करने का वर्ष रकम (ब) मोटर साइकिल रजिस्ट्रेशन संख्या क्रय करने का वर्ष रकम	 RNY1436 2012 1,07,508/- **RJ27-10M-0076** **2006** **6,759/-**	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
7	जेवरात,बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) भार मूल्य भार मूल्य		 सोना 10 तोला 1,05,000/– 500 ग्राम 10,500/–	शून्य	शून्य	शून्य
8	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों /हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9	समग्र कुल मूल्य	2,46,267/–	1,75,450/–	शून्य	शून्य	शून्य

आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

क्र. सं.	विवरण	स्वयं	पत्नि	आश्रित 1	आश्रित 2	आश्रित 3
1	कृषि भूमि की अवस्थिति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2	गैर कृषि भूमि अवस्थिति संख्यांक	शून्य	1शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपति है।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	वणिज्यक भवन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4	आवासीय भवन संख्यांक	शून्य	1	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	765 वर्ग फीट	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	700 वर्ग फीट	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपति है।	शून्य	हां	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	27,000,00./–	शून्य	शून्य	शून्य
5	अन्य (जैसे की संपति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6	पूर्वोक्त 1 से 5 का कुल चालू बाजार मूल्य	शून्य	27,000,00/–	शून्य	शून्य	शून्य

8. मैं लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों / शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ–

क्र. सं.	विवरण	स्वयं	पत्नि	आश्रित 1	आश्रित 2	आश्रित 3
1	बैंक ऋण		शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	बैंक का नाम	एच.डी.एफ.सी.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	बकाया रकम	2,25,545/–	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	ऋण प्रकृति	व्यक्तिगत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्वों का कुल योग	2,25,545/–	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2	सरकारी शोध्य, सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	टेलीफोन/मोबाइल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकॉप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

लिए रिटर्निंग आफिसरों सहित, समस्त रिटर्निंग आफिसर पुनरीक्षित चैकलिस्ट के

	आय कर शोध्य	5,500/–	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	धनकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	सेवाकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	नगरपालिका /संपति कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकयकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	5,500/–	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

9. वृति या उपजीविका के ब्योर –
   (क) स्वयं – चिकित्सक
   (ख) पत्नि – गृहणि
10. मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है – B.H.M.S., LL.B.
    (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यकम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्व विद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/ विश्व विद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यकम पूरा किया गया था, का ब्योरा दें)

पाठ्यकम का नाम	विश्व विद्यालय	पूर्ण करने का वर्ष
B.H.M.S	JRNRVU Udaipur	2005
LL.B.	MLSU Udaipur	2012

भाग – ख
(11) भाग – क के 1 से 10 तक में दिए गए ब्यौरो का उद्धधरण

1	अभ्यर्थी का नाम	सूर्य भवानीसिंह चावडा
2	डाक का पूरा पता	चावडा भवन बस स्टैण्ड रेलमगरा , जिला राजसमन्द
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या नाम राज्य	22 राजसमन्द राजस्थान
4	उस राजनैतिक दल का नाम, जिसने अभ्यर्थी को खडा किया है (अन्यथा 'स्वतंत्र' लिखें)	स्वतंत्र
5	1. ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए ह्वारा आरोप विरचित किए गए है।	शून्य
	2. ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय ने संज्ञान लिया है। (उपर मद 1 उल्लिखित मामलों से भिन्न)	शून्य
6	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व	शून्य

	अधिनियम, 1951 की धारा 8 की उपधारा 1, उपधारा 2, या उपधारा 3 में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए)			
7		का स्थायी लेखा सं.	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	कुल दर्शित आय
(क) अभ्यर्थी	सूर्य भवानीसिंह चावडा	AHAPC2047G	वित्तीय वर्ष 2012-13	2,67,779/-
(ख) पत्नि	इन्दिरा राणावत	AGTPR5322F	वित्तीय वर्ष 2012-13	1,96,396/-
(ग) आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

8. आस्तियों और दायित्वों के ब्योरे (रूपयों में)

क्र. सं.	विवरण	स्वयं	पत्नि	आश्रित 1	आश्रित 2	आश्रित 3
1	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	2,46,267	1,75,450	शुन्य	शुन्य	शुन्य
2	स्थावर आस्तियां	शुन्य	27,00,000	शुन्य	शुन्य	शुन्य
	स्वार्जित स्थावर संपति की क्रय कीमत	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य
	क्रय के पश्चात स्थावर संपति की विकास संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य
	निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	शुन्य	27,00,000	शुन्य	शुन्य	शुन्य
	(क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मुल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	शुन्य	27,00,000	शुन्य	शुन्य	शुन्य
9.	दायित्व					
	सरकारी शोध्य (कुल)	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य
	बैंक , वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	2,25,445	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य
10.	ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है लागु नही					
	सरकारी शोध्य (कुल)	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य
	बैंक , वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य
11	उच्चतम शैक्षिक अर्हता					

पाठ्यकम का नाम	विश्व विद्यालय	पूर्ण करने का वर्ष
B.H.M.S	JRNRVU Udaipur	2005
LL.B.	MLSU Udaipur	2012

:– सत्यापन :–

मै उपर उल्लिखित , अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथ पत्र की विषय – वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मै यह और घोषणा करता हूँ कि –

1. मेरे विरूद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्ध का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्ध का मामला या लंबित मामला नहीं है।
2. मेरी पत्नि या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8,9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 24/02/14 को सत्यापित किया गया।

अभिसाक्षी